

**वासंत वि.** (तत्.) 1. वसंत-संबंधी, वसंत का 2. वसंत ऋतु में उत्पन्न 3. वसंत ऋतु के योग्य 4. पुं. कोकिल, कोयल 5. मलयसमीर, मलयपर्वत से प्रवाहित होने वाली सुगंधित, शीतल हवा, मलयपवन।

**वासंतक वि.** (तत्.) 1. वसंत संबंधी, वसंत का 2. वसंत ऋतु में बोया हुआ 3. वसंत ऋतु में होने वाला।

**वासंतिक पुं.** (तत्.) 1. विदूषक, भौंड 2. नाचने वाला, नर्तक, नट 3. वसंत संबंधी, वसंत का, वसंतऋतु कालीन 4. अभिनेता।

**वासंती स्त्री.** (तत्.) 1. वसंतोत्सव 2. दुर्गा, पार्वती 3. माधवी लता 5. जूही 6. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 14-14 वर्ण होते हैं।

**वास<sup>1</sup> पुं.** (तत्.) 1. किसी एक स्थान-विशेष पर रहना, निवास जैसे- कारावास, वनवास आदि 2. गृह, घर, मकान 3. स्थान, जगह 4. परिधान, वस्त्र।

**वास<sup>2</sup> पुं.** (तत्.) 1 गंध, बू 2. सुगंध।

**वासक<sup>1</sup> वि.** (तत्.) बसाने वाला पुं. 1. वस्त्र 2. वासर, दिन 3. वासस्थान 4. शयनागार।

**वासक<sup>2</sup> वि.** (तत्.) 1. सुगंधित, खुशबूदार 2. सुगंधित करने वाला।

**वासकर पुं** (तत्.) दे. वास्कट।

**वासकसज्जा स्त्री.** (तत्.) 1. नायिका-भेद में एक प्रकार की नायिका 2. अपने वस्त्र, आभूषण, घर तथा शरीर को सज्जित, सुसज्जित करके पति या प्रियतम की प्रतीक्षा में रत नायिका।

**वासदांत पुं.** (तत्.) दिन का अंत, दिवस-अवसान, संध्या काल।

**वासन पुं.** (तत्.) 1. सुगंधित करना, सुगंधित करने का कार्य 2. वस्त्र, परिधान, वस्त्र 3. वास, निवास, गृह, घर, मकान 4. किसी स्थान पर वास-निवास करना 5. ओढ़ने की चादर 6. पात्र, बर्तन, पेटी।

**वासना स्त्री.** (तत्.) 1. पूर्व जन्म से अर्जित या उत्पन्न संस्कार 2. प्रत्याशा 3. ज्ञान 4. भावना 5. इच्छा, कामना, कल्पना, विचार, ख्याल, अभिलाषा 6. अविद्या से उत्पन्न संस्कार 7. अज्ञान।

**वासर पुं.** (तत्.) 1. दिन, दिवस 2. नवदंपति के पहली रात्रि में सोने का घर 3. एक नाग 4. वि. प्रातःकाल संबंधी।

**वासव वि.** (तत्.) 1. वसु-संबंधी, वसु का 2. इन्द्र संबंधी, इंद्र का।

**वासवि पुं.** (तत्.) इंद्रपुत्र, अर्जुन, जयंत, बालि।

**वासवी स्त्री.** (तत्.) 1. शची, इंद्राणी 2. सत्यवती (महर्षि वेदव्यास की माता)।

**वासवैया पुं.** (तत्.) एक प्रकार का वर्णवृत्त।

**वासित वि.** (तत्.) 1. वस्त्रों से सज्जित 2. बसा हुआ, आबाद 3. सुवासित, सुगंधित 4. सुगंधित किया हुआ, महकाया हुआ।

**वासिता स्त्री.** (तत्.) 1. स्त्री 2 आर्या छंद का एक भेद।

**वासिल वि.** (अर.) 1. पहुँचने वाला, मिलने वाला, जुड़ा, मिला हुआ, संयोगी 2. जो वसूल हो चुका हो।

**वासिलबाकी स्त्री.** (अर.) 1. वसूल कर ली गई तथा बाकी बच गई या शेष रह गई रकम 2. रकमों का जोड़।

**वासिष्ठ वि.** (तत्.) 1. वसिष्ठ संबंधी 2. वसिष्ठ द्वारा रचित 3. पु. रक्त, खून 4. वसिष्ठ के पुत्र।

**वासिष्ठी स्त्री.** (तत्.) गोमती नदी।

**वासी<sup>1</sup> स्त्री.** (तत्.) तक्षणी, वसूल आदि।

**वासी<sup>2</sup> पुं.** (तत्.) 1. रहने वाला, बसने वाला, अधिवासी, यथा दिल्लीवासी 2. सुगंधित 3. वस्त्राच्छादित।

**वासु पुं.** (तत्.) 1. विश्वात्मा, परमात्मा, आत्मा 2. विष्णु 3. जीवात्मा 4. पुनर्वसु नक्षत्र।

**वासुकी पुं.** (तत्.) दे. वासुकि।